MODERN INDIA

Explanation

10 AprIL, 6.30 pm (TEST : 12)

1.(c) **कथन 1 सत्य है :** वर्ष 1860-65 के मध्य अमेरिकी गृहयुद्ध के कारण भारतीय कपास की मांग भी बढ़ी तथा कीमत भी, इससे दक्कन के किसानों को लाभ हुआ, किन्तु जब अमेरिका में गृहयुद्ध समाप्त हो गया, तब भारत के कपास की मांग एवं कीमत कम हो गई तथा कपास की पूर्ति अमेरिका से होने लगी। यही असंतोष दक्कन विद्रोह का मूल कारण बना।

कथन 2 सत्य है : 1817 में उड़ीसा के खुर्दा में हुए पाईका विद्रोह को हाल ही में मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के नाम से कहे जाने का निर्णय लिया है। इस विद्रोह के नेता बख्शी जगबंधु विद्याधर थे।

स्त्रोत : आधुनिक भारत (GS World), पीआईबी (20 जुलाई, 2017)

2.(c) प्रश्न में दिए कथन 1 एवं 3 सत्य है, किन्तु कथन 2 असत्य है, क्योंकि राजा राम मोहन राय एकेश्वरवाद के जनक थे एवं बहुदेववाद के कट्टर विरोधी। उन्होंने 1814-15 में आत्मीय सभा की तथा 1828 में ब्रह्मसमाज की स्थापना की।

स्त्रोत : आधुनिक भारत (GS World), Old NCERT (विपिन चन्द्र) Chater : 7

3.(d) 1857 के व्रिदोह की मूल कर्मभूमि मध्य भारत था, जिसमें अवध, बरेली, आरा, झांसी, कानपुर आदि प्रमुख थे। वहीं दक्षिण भारत एवं पंजाब में इसकी भागीदारी कम देखी गई। अत: कथन 1 सत्य है। 1857 का विद्रोह अपने पूर्ववर्ती जनजातीय एवं कृषक आंदोलनों का संचयी प्रतिरूप था। अत: कथन 2 सत्य है। प्रश्न में असत्य पूछा गया है, तो न तो 1 और न ही 2 असत्य है।

4.(c) प्रश्न में दिया गया कथन सही है, किन्तु कारण (R) में दिया कथन असत्य है, क्योंकि राजा राम मोहन राय उपनिषद् एवं वेदों को श्रेष्ठ मानते थे।

स्त्रोत : Old NCERT (विपिन चन्द्र) Chater : 7

5.(a)

आत्मीय सभा	: 1814-15
ब्रह्म समाज	: 1828
आर्य समाज	: 1875
रामकृष्ण मिशन	: 1898

स्त्रोत : आधुनिक भारत (GS World)

6.(a) स्वामी दयानन्द ने वेदों की महत्ता को स्वीकार तथा नारा दिया 'वेदों की ओर लौटो' अत: कथन 1 सत्य है।

दयानन्द सरस्वती ने आश्रम व्यवस्था एवं वर्ण व्यवस्था को बेहतर माध्यम करार दिया। हालांकि उन्होंने जन्म के आधार पर बनी व्यवस्था की आलोचना की। अत: कथन 2 असत्य है।

स्त्रोत : आधुनिक भारत (GS World), Old NCERT (विपिन चन्द्र) Chater : 7

7.(d) **प्रश्न में दिए सभी कथन सत्य है :** विवेकानन्द ने वेदांत दर्शन, आध्यात्म आदि को एक व्यक्ति के लिए अत्यंत आवश्यक माना तथा यह भी कहा कि हिन्दुस्तान का मतलब है, हिन्दू आत्मा एवं मुस्लिम शरीर। अत: यह दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। उनके चिंतन में समाजवाद का लक्षण भी दिखाई देता है। वह दरिद्र शूद्र को भी शासन के योग्य मानते थे।

स्त्रोत : Old NCERT (विपिन चन्द्र), Chater : 7

8.(d) ईश्वर चंद्र विद्यासागर : महिला शिक्षा, विधवा पुनर्विवाह
राजा राम मोहन राय : सती प्रथा के विरूद्ध कानून में भूमिका
बी.एम. मालाबारी : एज ऑफ कंसेंट बिल के समर्थक, महिला शिक्षा
अत: उपर्युक्त सभी सुधारतक महिला सुधार से जुड़े थे।

स्त्रोत : आधुनिक भारत (GS World)

9.(c) प्रश्न में दिया कथन 1 असत्य है, क्योंकि ज्योतिबा फुले ने दलित उत्थान में ईसाई मिशनरियों की भूमिका को नहीं माना तथा उन्होंने इनकी आलोचना की। ज्योतिबा फुले ने सत्य शोधक समाज की स्थापना की तथा 1872 में गुलामगिरी की रचना की। अत: कथन 2 और 3 सत्य हैं।

स्त्रोत : आधुनिक भारत (GS World), Old NCERT (विपिन चन्द्र) Chater : 7

10.(b) गांधी सामाजिक ढांचे में परिवर्तन को जरूरी मानते थे। वहीं अम्बेडकर आर्थिक पुनर्वितरण को। अत: कथन 1 असत्य है।
गांधी जी दलित उत्थान के लिए जाति व्यवस्था को अंत करने के पक्षधर नहीं थे, क्योंकि वह व्यवस्था को नहीं उसके गलत क्रियान्वयन को दोषी मानते थे। वहीं अंबेडकर जाति व्यवस्था को ही दलित उत्थान के मार्ग में अवरोध मानते थे तथा इसके अंत की बात करते थे। अत: कथन 2 सत्य है।

स्त्रोत : आधुनिक भारत (GS World)

* * *

GS World
Committed To Excellence

ANSWER KEY
Modern India (10 April, 2018) TEST No. 12

1.	(c)	2.	(c)	3.	(d)	4.	(c)	5.	(a)	6.	(d)	7.	(d)	8.	(d)	9.	(c)	10.	(b)